# बीएचईएल ने भारत के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर पीवी प्लांट को कमीशन किया आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि

नई दिल्ली, जुलाई 7: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने तेलंगाना के एनटीपीसी रामागुंडम में 100 मेगावाट क्षमता वाले फ्लोटिंग सोलर पीवी प्लांट को सफलतापूर्वक कमीशन (चालू) कर दिया है। यह भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पीवी प्लांट (प्लांट) है। यह संयंत्र प्राकृतिक जलाशय में स्थापित होने के कारण मूल्यवान भू संसाधन की बचत करता है, साथ ही कम वाष्पीकरण होने से जल संरक्षण भी करता है।

सौर पीवी मॉड्यूल, इलेक्ट्रिकल्स और फ्लोटर्स की एक अभिनव इंजीनियरिंग लेआउट और व्यवस्था वाला यह संयंत्र स्वच्छ विद्युत उत्पादन करते हुए जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण को भी सुनिश्चित करेगा। इस सौर संयंत्र के सभी प्रमुख घटक – जैसे सौर पीवी मॉड्यूल, फ्लोटर्स, बायो-डिग्रेडेबल प्राकृतिक एस्टर तेल से भरा इन्वर्टर-ड्यूटी ट्रांसफार्मर, स्विचगियर, स्काडा, केबल इत्यादि स्वदेशी हैं। ये भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' अभियान में योगदान हैं।

इस संयंत्र को कमीशन (चालू) करके, बीएचईएल ने पिछले 10 महीनों में 3 फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं को कमीशन (चालू) करने की विशेष उपलब्धि प्राप्त की है। ये तीनों परियोजनाएं है- 25 मेगावाट एनटीपीसी सिम्हाद्री, 22 मेगावाट एनटीपीसी कायमकुलम और 100 मेगावाट एनटीपीसी रामागुंडम। ये तीनों संयंत्र अपनी इंजीनियरिंग और निष्पादन वैशिष्ट्य के आधार पर अद्वितीय है।

बीएचईएल देश में फ्लोटिंग सोलर क्षेत्र में अग्रणी ईपीसी सेवा प्रदाता है। बीएचईएल ने अब तक 152 मेगावाट क्षमता प्लांट कमीशन (चालू) किए हैं और सभी प्रकार के जलाशयों – प्राकृतिक जलाशयों, मानव निर्मित जलाशयों और खारे पानी की कयालों पर संयंत्रों की स्थापना करता है। बीएचईएल की फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं की एंड-टू-एंड इंजीनियरिंग एवं निष्पादन करने की आंतरिक क्षमता हमारी समर्पित और प्रतिबद्ध; इंजीनियरिंग एवं परियोजना टीमों के अथक प्रयास का परिणाम है। टीमों के इन्हीं प्रयासों के कारण ही यह उपलब्धि मिली है।

*****